सांस्कृतिक गतिविधियाँ

(2021-22)

सांस्कृतिक गतिविधियाँ व्यक्ति विशेष के लिए ही ऊर्जावान नहीं होती अपितु समस्त संस्थान, परिसर और वातावरण इन गतिविधियों से भावी योजनाओं के लिए ऊर्जा का संचालन करता है। महाविद्यालय में वर्ष 2021-22 में जिन सांस्कृतिक गतिविधियों को समय-समय पर आयोजित किया गया वह इस प्रकार है-

अगस्त 2021: तीजोत्सव हरियाणा का एक प्रमुख त्योहार है। यह कार्यक्रम संगीत और सांस्कृतिक विभाग द्वारा त्यौहारों का जीवन में जो महत्त्व है इस उद्देश्य से आयोजित किया गया। समस्त महाविद्यालय स्टाफ टीचिंग, नॉन टीचिंग व चतुर्थ श्रेणी वर्ग ने इसमें बढ़चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्या सहित मुख्यातिथि के रूप में श्रीमती संतोष सिंगला जी व विशिष्ट अतिथि रूप में श्रीमति कविता सिंगला जी रहीं। अनेक प्रकार के रीति-रिवाजों व पारंपरिक अनुष्ठानों को इस उत्सव में सम्मिलित करते हुए गीत व नृत्य के साथ इस त्यौहार को महाविद्यालय प्रांगण में मनाया गया। इन विधाओं में पुरस्कृत प्राध्यापिकाओं को पौधे देकर सम्मानित किया गया। उत्सव में उपस्थित मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथि को भी हरियाली तीज के स्मृति चिन्ह के रूप में पौधा देकर सम्मानित किया गया।

15 अगस्त 2021 (स्वतंत्रता दिवस): महाविद्यालय प्रांगण में कोरोना प्रोटोकोल को मध्य नजर रखते हुए स्वतंत्रता दिवस मनाया गया जिसमें महाविद्यालय प्रबंधक समिति के प्रधान श्रीमान अंशुल सिंगला जी उपप्रधान, कोषाध्यक्ष व सैक्रेटरी मौजूद रहे। ध्वजारोहण के कार्यक्रम के साथ संगीत विभाग द्वारा एक देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी गई। प्राचार्या महोदया, स्टाफ सहित व सांस्कृतिक विभाग व संगीत विभाग के श्री प्रवीन भी मौजूद रहे।

नृत्य कार्यशाला आयोजन: महाविद्यालय के संगीत एवं सांस्कृतिक विभाग द्वारा 'हरियाणा कला परिषद्' के सौजन्य से 20 नवम्बर से 9 दिसम्बर तक एक 20 दिवसीय नृत्य कार्यशाला का आयोजन करवाया गया। छात्राओं की नृत्य में अत्यधिक रुचि देखते हुए व कुछ नया सीखने के उद्देश्य से इस लोक नृत्यशाला की मांग 'हरियाणा कला परिषद्' द्वारा की गई। जिसकी अनुमति मिलते ही श्री पवनराज निदेशक रूप में कार्यशाला में रहे। महाविद्यालय से 80 छात्राओं ने इस कार्यशाला में भाग लिया व नृत्य के गुर सीखे। कार्यशाला का शुभारंभ अतिरिक्त निदेशक श्री महावीर गुड्डु के द्वारा किया गया। 9 दिसम्बर को इस 20 दिवसीय नृत्य कार्यशाला का सफल समापन हुआ। कार्यशाला समापन में महाविद्यालय प्राचार्या ने छात्राओं को संबोधित किया व छात्रओं ने जो नृत्य इस कार्यशाला में सीखे वह प्रस्तुत किए।

प्रतिभा खोज प्रतियोगिता: विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी निर्देशक, युवा व सांस्कृतिक विभाग, सी. आर. एस. विश्वविद्यालय, जीन्द के तत्वावधान व निर्देशन में महाविद्यालय में प्रतिभा खोज प्रतियोगिताएं करवाई गई। जिनमें गायन, वादन, नृत्य, रंगोली, एकल अभिनय, मिमिक्री, कविता-पाठ, भाषण, फोटोग्राफी, हस्तशिल्प, प्रश्नोत्तरी की प्रतियोगिताएं रही। कार्यक्रम में श्रीमती कविता सिंगला जी मुख्यातिथि रूप में रहीं। विजेता छात्राओं को विश्वविद्यालय की ओर से 600/-, 500/-, 400/- की धनराशि दी गई।

अन्तर्राष्ट्रीय गीता जयंती समारोह: दिनांक 13 दिसम्बर को दीवानचंद रंगशाला, जींद में महाविद्यालय की छात्राओं ने महोत्सव में अपने भजन व नृत्य की प्रस्तुति दी।

शैक्षणिक भ्रमण: दिनांक 14 दिसम्बर को महाविद्यालय के संगीत एवं सांस्कृतिक विभाग कुल 40 छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के तहत कुरूक्षेत्र 'गीता जयंती शिल्प मेला' में ले जाया गया। छात्राओं के साथ विभाग से डॉ. क्यूटी, श्रीमती आरती सैनी, श्रीमती रमन व कम्प्यूटर विभाग से कुमारी कीर्ति व श्रीमती सुनीता रही। कुरूक्षेत्र का भ्रमण करते हुए छात्राओं ने कई सांस्कृतिक गतिविधियों का आनंद भी लिया। तत्पश्चात

छात्राओं को गांव मथाना हैरीटेज में ले जाया गया। जहाँ छात्राओं ने अपनी हरियाणवी संस्कृति से जुड़ी चीजों का दर्शन किया। जिसमें हरियाणवी पगड़ियां, पुराने समय में प्रयोग होने वाले पीतल व पगड़ियां, पुराने समय में प्रयोग होने वाले पीतल व मिट्टी के बर्तन, दरियां, पंखे, पोशाक और अन्य कई चीजों को देखा। सांस्कृतिक मंच पर भी महाविद्यालय की छात्राओं का नृत्य प्रदर्शन रहा। इस भ्रमण के बाद छात्राएं काफी उत्साहित थी।

गीता जयंती उत्सव: दिनांक 17 दिसंबर को महाविद्यालय संगीत एवं सांस्कृतिक विभाग द्वारा गीता जयंती महोत्सव मनाया गया। नवंबर-दिसंबर माह में जब समस्त भारत गीता जयंती उत्सव का आयोजन कर रहा था उसी क्रम में महाविद्यालय में भी छात्राओं द्वारा इस उत्सव का आयोजन कराया गया जिसमें छात्राओं सहित अध्यापिकाओं ने भी शिरकत की। श्री कृष्ण द्वारा गीता उपदेश, श्लोक उच्चारण, गीता-सार कृष्ण भजन, गोपियों द्वारा कृष्ण रासलीला ये सभी विषय विधाओं के रूप में छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत किए गए। महाविद्यालय प्राचार्या श्रीमती अनीता कुमारी जी ने गीता का हमारे जीवन में महत्व बताते हुए विचारों को सांझा किया।

स्वर श्रद्धाजंलि सम्राज्ञी लता मंगेश्कर: 'भारत रत्न' नवाजित स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी का 6 फरवरी को निधन हुआ। उनकी याद को मनाते हुए संगीत एवं सांस्कृतिक विभाग द्वारा 9 फरवरी को एक श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन किया। छात्राओं सहित प्राध्यापिकाओं ने भी उनको याद करते हुए उनके जीवन के अनुभवों का सांझा किया। प्राचार्या जी ने उन्हें एक आदर्श मान कर छात्राओं को अपने जीवन को आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विषय या क्षेत्र कोई भी हो इसमें लग्न व निष्ठा रख कर ही आगे बढ़ा जा सकता है और किसी भी क्षेत्र में नाम कमाया जा सकता है। छात्राओं ने व प्राध्यापिकाओं ने भी उन्हीं के गीतों को गुनगुना कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

वार्षिक खेल समारोह: दिनांक 12 व 13 अप्रैल को महाविद्यालय परिसर में वार्षिक खेल समारोह मनाया गया। जिसमें सांस्कृतिक गतिविधियों ने खूब वाह-वाही बटोरी। हरियाणवी-एकल नृत्य, राजस्थानी नृत्य, उपशास्त्रीय नृत्य व हरियाणवी समूह नृत्य की प्रस्तुतियों में सांस्कृतिक विभाग की छात्राओं ने काफी उत्साह दिखाया। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद की कुल सचिव श्रीमति प्रो. लवलीन मोहन मुख्यातिथि रूप में रहीं व दूसरे सत्र में श्रीमति संतोष धीमान, जिला खेल अधिकारी ने मुख्यतिथि रूप में शिरकत की। उन्होंने छात्राओं को स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया व महाविद्यालय की कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने नकद पुरस्कार देकर इन छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

अतिथि व्याख्यान: दिनांक 23 अप्रैल को महाविद्यालय के संगीत सांस्कृतिक एवं हिंदी विभाग की ओर से 'सांग विधा का उद्भव एवं विकास' विषय पर एक व्याख्यान करवाया गया। श्री मंगतराम शास्त्री जी मुख्य वक्ता के रूप में रहे। साथ ही रंगकर्मी रमेश बनवाला जी ने भी नाटक विधा के बारे में छात्राओं से विचार साझा किए। छात्राओं को सांग विधा के बारे में बताते हुए श्री मंगत राम जी ने कई प्रचलित हरियाणवी सांगों की चर्चा की एवं उनके पात्रों की रूपरेखा का भी चित्रण किया।

नाटक कार्यशाला: दिनांक 10 मई को महाविद्यालय में सांस्कृतिक विभाग की ओर से हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के सहयोग से 20 दिवसीय नाटक कार्यशाला का शुभारंभ करवाया। जिसमें 30-35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला निर्देशक रूप में रंगकर्मी रमेश बनवाला व उनके सहयोगी श्री प्रवीन व देव सुमन रहे। कार्यशाला के आरंभ समारोह में श्री महावीर गुड्डु (अतिरिक्त निदेशक) हरियाणा कला परिषद् से बतौर मुख्यातिथि रहे। 27 मई को कार्यशाला का अवलोकन करते हुए निर्देशक, हरियाणा कला परिषद, कुरूक्षेत्र से श्री संजय भसीन जी का आगमन महाविद्यालय में हुआ। उन्होंने भी मंत्र के माध्यम से इस कार्यशाला के प्रतिभागियों को संबोधित किया व छात्राओं को इन क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। दिनांक 30 मई को कार्यशाला

में सीखे अभिनयों को छात्राओं द्वारा प्रस्तुत करके कार्यशाला को सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर श्री महावीर गुड्डु मौजूद रहे। उन्होंने छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व मैडल देकर सम्मानित किया।

राहगिरी 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम: 20 मई को हमारी सांस्कृतिक विभाग की छात्राओं ने युवा, खेल विभाग जीन्द द्वारा आयोजित 'राहगिरि' कार्यक्रम में अपने नृत्य की प्रस्तुति दी।

इस प्रकार वर्ष 2021-22 में सांस्कृतिक गतिविधियों का बेहतरीन प्रदर्शन रहा।

डॉ० क्यूटी
संगीत विभाग